https://www.haryanapapers.com

Roll No. .....

21391

B. A. (Pass Course & Vocational)

Sanskrit 2nd Semester

Examination – May, 2019

SANSKRIT (ELECTIVE)

Paper : SKT-II

Time : Three hours] ***[Maximum Marks : 80***

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उनको पूर्ण एवं सही प्रश्न-पत्र मिला है। परीक्षा के उपरान्त इस संबंध में कोई भी शिकायत नहीं सुनी जायेगी।

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **दस** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : $10 \times 1 = 10$

(i) सीता और गीता जाती हैं।

(ii) कंस कृष्ण पर क्रोध करता है।

(iii) गुरु को नमस्कार है।

(iv) दुष्ट को धिक्कार है।

(v) नगर के बाहर बगीचा है।

(vi) वह दिल्ली गया।

https://www.haryanapapers.com

(vii) सीमा ने गीत गया।

(viii) माता खाना पकाती है।

(ix) मोहन गेंद से खेलेगा।

(x) शोर मत करो।

(xi) वृक्ष से फल गिरते हैं।

(xii) यह मेरा पुत्र है।

(xiii) बालक कान से बहरा है।

(xiv) आप दो पढ़ें।

(xv) वे सब पेढ़ेंगी।

2. किन्हीं **दो** कण्ठस्थ श्लोकों का शुद्ध लेखन कीजिए। $2 \times 2 = 4$

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों का सरलार्थ कीजिए : $2 \times 4 = 8$

(i) दुःशासनपरामृष्टा सम्भ्रमोत्फुल्ललोचना।
राहुवक्त्रान्तरगता चन्द्रलेखेव शोभते।।

(ii) दुष्टवादी गुणद्वेषी शठः स्वजननिर्दयः।
सुयोधनो हिमां दृष्ट्वा नैव कार्यं करिष्यति।।

(iii) देवात्मजैर्मनुष्याणां कथं वा बन्धुता भवेत्।
पिष्टपेषणमेतावत् पर्याप्तं छिद्यतां कथा।

4. किन्हीं **दो** गद्यांशों का सरलार्थ कीजिए : $2 \times 4 = 8$

(i) कुसुमशरशरप्रहारजर्जरिते हि हृदये जलमिव गलत्युपदिष्टम्। अकारणं च भवति दुष्प्रकृतेरन्वयः श्रुतं वा

https://www.haryanapapers.com

https://www.haryanapapers.com

विनयस्य। चन्दन-प्रभवो न उहति किमनलः ? किं
प्रशमहेतुनापि न प्रचण्डतरी भवति वडवानलो वारिणा
गुरुपेदशस्य नाम पुरुषाणां खिलमलप्रक्षालनक्षममजा
स्नानम्, नोद्वेगकरः प्रजागरः। विशेषेण तु राज्ञाम्। विरल
हि तेशामुपदेष्टारः।

(ii) न हि तं पश्यामि यो ह्यपरिचितयानया न निर्भरमुपगूढ़, य
वा न विलतब्धः नियतमियमालेख्यगतापि चलि
पुस्तमय्यपीन्द्रजालमाचरति, उत्कीर्णापि विप्रलभते
श्रुताप्तभिसंधत्ते, चिन्तितापि वञ्चयति।

(iii) आज्ञामपि वरदानं मन्यन्ते। स्पर्शमपि पावन-माकलयन्ति।
मिथ्यामाहात्म्यगर्वनिर्भराश्च न प्रणमन्ति देवताभ्यः, न
पूजयन्ति द्विजातीन्, न मानयन्ति मान्यान्,
नार्चयन्त्यर्चनीयान्, नाभाविवादयन्त्यभिवादनार्हान्,
नाभ्युतिष्ठन्ति गुरुन्, आत्मप्रज्ञापरिभव इत्यसूयन्ति
सचिवोपदेशाय, कुप्यन्ति हितवादने।

5. 'दूतवाक्यम्' के आधार पर दूर्योधन का चरित्र-चित्रण कीजिए। 8

अथवा

'शुकनासोपदेशः' के आधार पर शुकनास का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** शब्दों के सम्पूर्ण रूप लिखिए : $2 \times 5 = 10$

दण्डिन्, इदम् (पुल्लिंग), युष्मद्, त्रि

https://www.haryanapapers.com

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** धातुओं के पूछे गए दो लकारों में सम्पूर्ण रूप लिखिए : $2 \times 5 = 10$

सेव् (लट्, लोट्), मुद् (लङ्ग, लृट्), नी (लोट्, विधिलिङ्ग), कृ (लट्, लृट्)।

8. हल् सन्धि ***अथवा*** विसर्ग सन्धि की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। 5

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रयोगों में सन्धि/सन्धिछेद कीजिए : $5 \times 1 = 5$

षडाननः, मुनिः + गच्छति, सच्चरित्रम्, वागीशः, उत् + धारणम्, सज्जनः, तत् + लीनः, कश्चित्।

10. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए : $1 \times 6 = 6$

वंशस्थ, मन्दाक्रान्ता

11. गणचिह्न लगाकर छन्द का नाम लिखिए : 6

(i) तथाभूतां दृष्ट्वा नृपसदसि पाञ्चालतनयां
वने व्याधैः सार्धं सुचिरमुषितं वल्कलधरैः।
विराटस्यावासे स्थितमनुचितारम्भा-निभृतं
गुरुः खेदं खिन्ने मयि भजति नाद्यपि कुरुषु।।

अथवा

पवित्रमत्रातनुते जगद्युगे स्मृता रसक्षालनयेव यत्कथा।
कथं न सा मद्गिरमाविलामपि स्वसेविनीमेव पवित्रयिष्यति।।

https://www.haryanapapers.com